UK Health Security Agency

NHS

गर्भवती?

टीकाकरण आपको और आपके बच्चे को संक्रामक रोगों से रक्षा करने में मदद करता है

इनसे बचाव के लिए टीका लें:

फ़्लू (इन्फ्लुएंजा)

काली खाँसी (पर्टुसिस)

जर्मन खसरा (रूबेला)

immunisation

यह पत्रक उन टीकाकरणों का वर्णन करता है जो गर्भावस्था के दौरान और बाद में आपकी और आपके बच्चे की रक्षा करने में मदद करते हैं।

टीके कैसे काम करते हैं?

टीके आपके शरीर की प्राकृतिक रक्षा प्रणाली (प्रतिरक्षा प्रणाली) को सुरक्षात्मक एंटीबॉडी (रोग-प्रतिकारक) विकसित करने में मदद करते हैं। एंटीबॉडी बीमारी से लड़ते हैं और लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान करते हैं।

इसलिए, यदि आपको किसी विशेष बीमारी से बचाव के लिए टीका लगाया जाता है और आप बाद में इसके संपर्क में आते हैं, तो आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली संक्रमण के प्रति अधिक तेज़ी से प्रतिक्रिया करेगी।

टीकाकरण बीमारी को रोकने या बीमारी को कम गंभीर बनाने में मदद कर सकता है। गर्भवती होने पर विकसित एंटीबॉडी आपके अजन्मे बच्चे को को भी मिलती है और जीवन के पहले कुछ महीनों में उनकी रक्षा करने में मदद करती है।

गर्भावस्था के दौरान टीकाकरण

इन्फ्लुएंजा (फ़्लू)

फ़्लू क्या है?
फ्लू एक अत्यधिक संक्रामक रोग है जिसमें बुखार, ठंड लगना, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द होना, सिरदर्द और अत्यधिक थकान जैसे लक्षण होते हैं। फ्लू आमतौर पर खराब सर्दी से भी बदतर होता है और आपको ठीक होने के लिए कुछ दिन बिस्तर पर बिताने पड़ सकते हैं। हालांकि स्वस्थ वयस्कों में गंभीर संक्रमण कम ही देखे गए हैं, फिर भी ये संक्रमण कभी-कभी अस्पताल में भर्ती होने, स्थायी विकलांगता और यहां तक कि मृत्यु का कारण बन सकते हैं।

गर्भावस्था में फ्लू अधिक गंभीर क्यों होता है?
यह गर्भावस्था के दौरान होने वाले सामान्य परिवर्तनों के कारण होता है। आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली स्वाभाविक रूप से इसलिए कमजोर हो जाती है ताकि आपकी गर्भावस्था सफल हो, लेकिन इस दौरान आप संक्रमण से लड़ने में कम सक्षम हो सकती हैं। जैसे-जैसे आपका शिशु बड़ा होता है, आप गहरी सांस नहीं ले पाती हैं, जिससे निमोनिया जैसे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। साथ में, ये परिवर्तन गर्भवती महिलाओं के लिए जोखिम बढ़ा सकते हैं, विशेष रूप से गर्भावस्था के आखिरी दिनों के दौरान और यदि मधुमेह जैसे अन्य जोखिम कारक हैं।

» **एक गर्भवती महिला जिसे फ्लू हो जाता है, उसे जो महिला गर्भवती नहीं है, की तुलना में अस्पताल में भर्ती होने की अधिक संभावना होती है।**

फ्लू का टीका लगवाने से आपको फ्लू से बीमार होने की संभावना कम हो जाती है, और इससे आपको निमोनिया जैसी गंभीर जटिलताएं होने का खतरा कम हो जाता है। इन कारणों से, सभी गर्भवती महिलाओं को फ्लू का टीका लगवाने की सलाह दी जाती है।

मेरे बच्चे को फ्लू से क्या खतरा है?

फ्लू अजन्मे और नवजात शिशुओं के लिए गंभीर हो सकता है और यह समय से पहले जन्म, जन्म के समय कम वजन, मृत जन्म या जीवन के पहले हफ्तों में मृत्यु का भी कारण बन सकता है।

टीकाकरण में क्या शामिल है?

फ्लू टीकाकरण हाथ में लगाया जाने वाला एक इंजेक्शन है। यह आमतौर पर सितंबर के अंत से उपलब्ध होता है और गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क होता है। गर्भावस्था के दौरान किसी भी समय टीका लगवाना सुरक्षित है और टीकाकरण के बाद सुरक्षा प्रदान करने में लगभग 14 दिन लगते हैं।

फ्लू के टीके के दुष्प्रभाव बीमारी की तुलना में हल्के होते हैं और सभी लोगों में देखे जाते हैं, न कि केवल गर्भवती महिलाओं में। जिस बांह में इंजेक्शन लगाया जाता है उस स्थान पर दर्द और लाली होना आम है। आपको सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, बुखार या थकान भी हो सकती है; ये आमतौर पर टीकाकरण के बाद एक या दो दिन तक रहते हैं क्योंकि टीका काम करना शुरू कर देता है।

किसी भी फ्लू के मौसम में आपको हर बार गर्भवती होने पर फ्लू के टीके की आवश्यकता होगी।

मेरे बच्चे को क्या लाभ होगा?

टीका लगवाने से, आप अपनी गर्भावस्था के दौरान फ्लू होने की संभावना को कम करती हैं और इसलिए फ्लू से होने वाली जटिलताओं का खतरा कम हो जाता है। आपका शिशु भी फ्लू के प्रति कुछ प्रतिरोधक क्षमता विकसित करेगा क्योंकि प्लेसेंटा के माध्यम से आपके बच्चे में एंटीबॉडी का संचार होता है। यह जीवन के पहले कुछ महीनों के दौरान कुछ सुरक्षा प्रदान करेगा। जैसा कि आप पूरे फ्लू के मौसम में सुरक्षित रहेंगे, आपको फ्लू होने और फिर इससे अपने नए बच्चे को संक्रमित करने की संभावना कम होगी।

क्या गर्भावस्था के दौरान फ्लू का टीका लगवाना सुरक्षित है?

गर्भवती महिलाओं को दिए जाने वाले फ्लू के टीके में केवल मारे गए (निष्क्रिय) फ्लू वायरस होते हैं और फ्लू से संक्रमण का कारण नहीं बन सकते। 2009 के बाद से, कई देशों ने सभी गर्भवती महिलाओं को नियमित रूप से फ्लू के टीके देना शुरू कर दिया है। अध्ययनों से पता चलता है कि निष्क्रिय फ्लू के टीके गर्भावस्था के सभी चरणों के दौरान मां और बच्चे दोनों के लिए सुरक्षित और प्रभावी ढंग से दिए जा सकते हैं।

अगर मुझे लगे कि मुझे फ्लू हो गया है तो मुझे क्या करना चाहिए?

अपने चिकित्सक (GP) से तुरंत संपर्क करें और बताएं कि आप गर्भवती हैं। एक दवा है जिसका आप सेवन कर सकती हैं जो कुछ लक्षणों को दूर करने में मदद कर सकती है, लेकिन लक्षणों के शुरू होने के बाद आपको इसे जल्द से जल्द लेने की आवश्यकता होती है। फ्लू से स्वयं को और अपने बच्चे को बचाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि फ्लू के मौसम की शुरुआत से पहले, आमतौर पर सितंबर के आसपास टीका लगवा लें, हालांकि आप सर्दी के मौसम में भी किसी भी समय टीका लगवा सकते हैं।

» गर्भवती महिलाओं और उनके बच्चों के लिए फ्लू एक गंभीर संक्रमण हो सकता है। गर्भवती महिलाओं को प्रत्येक गर्भावस्था के दौरान फ्लू का निःशुल्क टीका लगवाना चाहिए। यह गर्भावस्था के किसी भी चरण में और फ्लू के मौसम में जितनी जल्दी हो सके दिया जा सकता है।

काली खांसी (पर्टुसिस)

काली खांसी क्या है?

काली खांसी एक अत्यधिक संक्रामक रोग है जो 1 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए बहुत गंभीर हो सकता है। काली खांसी वाले अधिकांश छोटे बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा।

काली खांसी लंबे समय तक खांसी और घुटन का कारण बन सकती है जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। ' हू हू' की आवाज प्रत्येक बार खांसने के बाद सांस लेने के लिए हांफने के कारण होती है। छोटे बच्चे हमेशा यह आवाज नहीं करते हैं इसलिए इसे पहचानना मुश्किल हो सकता है।

काली खांसी आमतौर पर लगभग 2 से 3 महीने तक रहती है। छोटे बच्चों के लिए यह निमोनिया और स्थायी मस्तिष्क क्षति का कारण बन सकता है। सबसे बुरे मामलों में, यह मौत का कारण बन सकता है।

हर साल लगभग 300 बच्चों को काली खांसी के साथ अस्पताल में भर्ती कराया जाता है। संक्रमण की अन्य जटिलताओं में शामिल हैं:

- सांस लेने में गंभीर कठिनाई के परिणामस्वरूप सांस लेने में अस्थायी रुकावट
- अत्यधिक उल्टी के कारण वजन कम होना
- दौरे आना या मस्तिष्क क्षति
- एन्सेफलाइटिस (मस्तिष्क की सूजन)

मुझे काली खांसी के टीके की आवश्यकता क्यों है?

2012 में UK में काली खांसी होने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई, इनमें से 400 मरीज़ 3 महीने से कम उम्र के बच्चे थे और इनमें से 14 बच्चों की मृत्यु हो गई।

अधिक मौतों को रोकने में मदद करने के लिए, गर्भवती महिलाओं के लिए एक काली खांसी टीकाकरण कार्यक्रम 2012 के दौरान शुरू किया गया। आपको गर्भावस्था के 16वें सप्ताह से आपके चिकित्सक (GP) या मातृत्व सेवाओं द्वारा काली खांसी के टीके की पेशकश की जाएगी। आपका शरीर काली खांसी के प्रति एंटीबॉडी का उत्पादन करेगा जो आपके बच्चे को प्लेसेंटा

के माध्यम से पहुंच जाता है। तब आपके शिशु को पैदा होने के बाद काली खांसी से कुछ सुरक्षा मिलती है। यह सुरक्षा कुछ दिनों में समाप्त हो जाती है इसलिए आपको अपने बच्चे को 8 सप्ताह की उम्र में काली खांसी का टीका लगवाना चाहिए।

मुझे कब टीका लगवाना चाहिए?

अपने बच्चे की सुरक्षा के लिए टीका लगवाने का सबसे अच्छा समय आपकी गर्भावस्था के 16वें सप्ताह से या आपके मध्य-गर्भावस्था स्कैन के तुरंत बाद होता है जो आमतौर पर 18 से 20 सप्ताह के बीच होता है। यदि आप अनुशंसित समय में टीका लेने से चूक जाते हैं तो आप अपनी गर्भावस्था में किसी भी समय इसे लगवा सकती हैं लेकिन इसे लगवाने का सबसे अच्छा समय 16 से 32 सप्ताह के बीच है। आप गर्भावस्था के अंतिम चरणों में टीका लगवा सकती हैं लेकिन यह उतना प्रभावी नहीं हो सकता है। टीका आपके बांह में लगाया जाने वाला एक इंजेक्शन है।

चूंकि काली खांसी के टीके से सुरक्षा समय के साथ समाप्त हो जाती है इसलिए आपको यह टीका लगवाना चाहिए, भले ही आपको यह टीका तब लगा हो जब आप छोटे थे या यदि आपको काली खांसी हुई थी। अगर अपने टीका पिछली गर्भावस्था में लिया था, तो भी आपको यह टीका दोबारा भी लेना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक गर्भावस्था में यह टीका लेने की आवश्यकता होती है।

काली खांसी का टीका फ्लू के टीके के साथ ही दिया जा सकता है, लेकिन दोनों को एक साथ लेने के लिए सर्दी के मौसम की प्रतीक्षा न करें। यदि आप गर्भावस्था के 16वें सप्ताह में टीका लेती है तो आपके शिशु को सबसे अच्छी सुरक्षा मिलेगी।

यदि आपको आपके चिकित्सक (GP) सर्जरी या दाई ने टीके के बारे में कुछ नहीं कहा है, तो अपने जल्द से जल्द अपनी सुविधा के अनुसार टीकाकरण कराने के लिए अपॉइंटमेंट लें।

मुझे लगा कि बच्चों को काली खांसी का टीका दिया गया है?

UK में, बच्चों को 8, 12 और 16 सप्ताह की उम्र में काली खांसी का टीका दिया जाता है। उन्हें काली खांसी के टीके 8 सप्ताह से पहले नहीं दिए जाते हैं क्योंकि इस दौरान टीके काम नहीं कर सकते हैं। शिशुओं को पूर्ण सुरक्षा देने के लिए टीके की 3 डोज़ लगवाने की आवश्यकता होती है।

» आप अपनी गर्भावस्था के 16वें सप्ताह के तुरंत बाद काली खांसी का टीका लगवाकर अपने नवजातबच्चे की रक्षा करने में मदद कर सकती हैं।

मेरे बच्चे को क्या लाभ होगा?

अपने बच्चे को जीवन के पहले 2 महीनों में काली खांसी होने से बचाने का एकमात्र तरीका स्वयं काली खांसी का टीका लगवाना है। टीके से आपको जो सुरक्षा मिलेगी, वह आपके बच्चे को प्लेसेंटा के माध्यम से मिलती है और आपके बच्चे को काली खांसी से तब तक बचाती है जब तक कि वह स्वयं के टीके के लिए पर्याप्त उम्र का न हो जाए।

अध्ययनों से पता चला है कि नवजात शिशुओं में काली खांसी को रोकने में टीका बहुत प्रभावी है।

टीकाकरण से आपको जो सुरक्षा मिलेगी, उसका मतलब यह भी है कि आपको काली खांसी होने और अपने बच्चे को इससे संक्रमित करने की संभावना कम होती है।

क्या गर्भावस्था के दौरान काली खांसी का टीका लेना सुरक्षित है?

अध्ययनों से पता चला है कि काली खांसी का टीका आपके और आपके बच्चे के लिए बहुत सुरक्षित है। टीकाकरण के बाद आपको कुछ सामान्य हल्के दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इनमें शामिल हैं: इंजेक्शन लेने वाले जगह पर सूजन, लालिमा और दर्द।

चूंकि केवल काली खांसी के लिए वैक्सीन उपलब्ध नहीं है, इसलिए इस टीके से आपको टिटनेस, पोलियो और डिप्थीरिया से भी सुरक्षा मिलता है। वैक्सीन के इन सभी भागों को मार दिया जाता है (निष्क्रिय) और गर्भावस्था में सुरक्षित रूप से दिया जा सकता है।

आपके और आपके बच्चे के लिए टीका लगवाना आपके नवजात शिशु को काली खांसी होने के जोखिम से कहीं अधिक सुरक्षित है।

» छोटे बच्चों के लिए काली खांसी एक बहुत ही गंभीर बीमारी हो सकती है। आप अपनी गर्भावस्था के 16वें सप्ताह से टीका लगवाकर अपने बच्चे की रक्षा करने में मदद कर सकती हैं।

याद रखें, भले ही आपने गर्भवती होने पर काली खांसी का टीका लगवाया हो, लेकिन इससे आपके बच्चे को जो सुरक्षा मिलेगी वह समाप्त हो जाएगी, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि आपके बच्चे को 8, 12 और 16 सप्ताह की उम्र में टीके लगाए जाएं।

गर्भावस्था से पहले या बाद में टीकाकरण

यदि आप गर्भवती होने की योजना बना रही हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप सभी टीकों के साथ अप टू डेट हैं।

रूबेला (जर्मन खसरा)

गर्भावस्था के दौरान रूबेला से संक्रमित होना आपके बच्चे के लिए बहुत गंभीर हो सकता है, जिससे कन्जेनिटल रूबेला सिंड्रोम (CRS) नामक स्थिति पैदा हो सकती है। कन्जेनिटल रूबेला सिंड्रोम (CRS) से बहरापन, अंधापन, मोतियाबिंद (आंख की समस्याएं) या यहां तक कि हृदय की समस्याएं भी हो सकती हैं। इसके परिणामस्वरूप बच्चे की मृत्यु या गर्भपात की संभावना भी हो सकती है।

आप रूबेला से तभी सुरक्षित रहेंगे यदि आपको पहले संक्रमण हो चुका है या यदि आपने कभी रूबेला युक्त टीके की 2 डोज़ ली हैं (जैसे- बचपन में स्कूल या अपने चिकित्सक (GP) सर्जरी से रूबेला, मीजिल्स-रूबेला या मीजिल्स-मम्प्स-रूबेला टीके)। यदि आप सुनिश्चित नहीं हैं कि आपको पहले रूबेला संक्रमण हुआ है या नहीं या आपने टीका लिया है या नहीं, तो आप अपने चिकित्सक (GP) सर्जरी से पता कर सकते हैं।

आदर्श रूप से आपको गर्भवती होने से पहले रूबेला युक्त वैक्सीन की 2 डोज़ लेनी चाहिए थी। यदि आपने ऐसा नहीं किया है, तो गर्भावस्था से 1 महीने पहले तक मीजिल्स, मम्प्स और रूबेला वैक्सीन (MMR) दिया जा सकता है। मीजिल्स, मम्प्स और रूबेला वैक्सीन (MMR) एक जीवित (कमजोर) वैक्सीन है इसलिए गर्भावस्था के दौरान नहीं दिया जाता है। यद्यपि इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि गर्भावस्था के दौरान मीजिल्स, मम्प्स और रूबेला (MMR) वैक्सीन से शिशुओं को नुकसान होता है, फिर भी यह अनुशंसा की जाती है कि आप अपने बच्चे के जन्म के बाद ही इस वैक्सीन को लें।

मुझे गर्भावस्था के बाद मीजिल्स, मम्प्स और रूबेला (MMR) वैक्सीन की आवश्यकता क्यों है?

यह भविष्य की किसी भी गर्भावस्था में आपकी और आपके बच्चे की रक्षा करेगा और आपको खसरा, गल गण्ड रोग और रूबेला से दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करेगा। यदि आपने यह टीका पहले नहीं लिया है तो आपको टीके की 2 डोज़ लेने की आवश्यकता होगी। आपकी प्रैक्टिस नर्स आपकी प्रसव के बाद के जांच के साथ ही पहला टीका देगी और एक महीने बाद दूसरी डोज़ देगी। आपको टीका लेने के बाद 1 महीने तक गर्भवती होने से बचना चाहिए, इसलिए आपको गर्भनिरोधक की एक विश्वसनीय विधि अपनाने की आवश्यकता होगी।

यदि आप सुनिश्चित नहीं हैं कि आपने मीजिल्स, मम्प्स और रूबेला (MMR) वैक्सीन लिया है या नहीं, तो आप अपनी प्रसवोत्तर जांच में अपने चिकित्सक (GP) सर्जरी से पता कर सकते हैं।

क्या मैं टीका लेने के बाद अपने बच्चे को स्तनपान करा सकती हूं?

हां, मीजिल्स, मम्प्स और रूबेला (MMR), फ्लू और काली खांसी का टीका लगवाने के बाद अपने बच्चे को स्तनपान कराना सुरक्षित है। वास्तव में, यदि आपने गर्भवती होने पर काली खांसी का टीका लिया है, तो आपके स्तन के दूध में सुरक्षात्मक एंटीबॉडी मौजूद होंगे ताकि आप स्तनपान कराकर अपने बच्चे के साथ अपनी सुरक्षा साझा करना जारी रख सकें।

गर्भावस्था में दाने आना

यदि मैं किसी दाने से ग्रसित व्यक्ति के संपर्क में आती हूँ, या यदि मुझे दाने हो जाते हैं तो मुझे क्या करना चाहिए?

यदि आपको गर्भावस्था के दौरान दाने आते हैं या आप दाने से ग्रसित किसी अन्य व्यक्ति के साथ संपर्क में आती हैं, तो आपको तुरंत अपनी दाई, अपने चिकित्सक (GP) या प्रसूति रोग विशेषज्ञ को बताना चाहिए।

कृपया किसी भी प्रसवपूर्व क्लिनिक, प्रसूति स्थान या अन्य गर्भवती महिलाओं से तब तक बचें जब तक आपका मूल्यांकन नहीं हो जाता।

कोई भी बीमारी जिसमें आपको बुखार और दाने होते हैं, हो सकता है कि आपको कोई संक्रामक बीमारी हो जो आपके अजन्मे बच्चे को नुकसान पहुंचा सकती है। आप संक्रमित हैं या नहीं इसका पता लगाने के लिए जांच की जा सकती है। आपकी जांच करने वाले स्वास्थ्य पेशेवर को पता होना चाहिए:

- आप कितने सप्ताह की गर्भवती हैं
- आप दाने की बीमारी वाले किसी व्यक्ति के साथ कब संपर्क में आयी थी
- वह तारीख जब आपने पहली बार अपने शरीर पर दाने देखा या जब किसी दाने वाले वयक्ति के साथ संपर्क में आए
- दाने का विवरण (क्या यह उभरे हुए, उबड़-खाबड़ दाने हैं या यह द्रव से भरे फफोले हैं?)
- आपको अतीत में कौन से संक्रमण हुए हैं जैसे चिकन पॉक्स (छोटी चेचक), खसरा
- आपने पहले कौन से टीके लिए थे

» यदि आप किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आते हैं जिसे दाने हैं या यदि आप गर्भवती होने पर अपने शरीर पर दाने देखते हैं, तो जितनी जल्दी हो सके अपने चिकित्सक या दाई से सलाह लें।

यदि आप दाने की बीमारी की रिपोर्ट करने में देरी करते हैं तो आपको सटीक निदान या कोई अनुशंसित उपचार देना संभव नहीं हो सकता है।

आपकी दाई के साथ चर्चा करने के लिए अन्य टीके

हेपेटाइटिस बी

बच्चे के जन्म के समय, जिन माताओं को हेपेटाइटिस बी का संक्रमण है, उनके बच्चे को जन्म लेते ही हेपेटाइटिस बी का टीका दिया जाना चाहिए। आपके शिशु को संक्रमण की जांच के लिए 1 वर्ष का होने पर टीके की और डोज़ देने और रक्त जांच कराने के लिए आपके चिकित्सक (GP) सर्जरी के साथ इनकी व्यवस्था की जानी चाहिए।

क्षयरोधक टीका (BCG)

ऐसे देश से जहां टीबी आम है, वहां माता-पिता से पैदा हुए बच्चों (या जिनके दादा-दादी हैं) को टीबी से बचाने के लिए बीसीजी का टीका अवश्य लगवाना चाहिए।

» गर्भावस्था के दौरान (और बच्चे के जन्म के बाद) अनुशंसित टीकाकरण करवाना सबसे प्रभावी चीजों में से एक है जो आप अपने और अपने बच्चे के लिए टीके से बचाव योग्य संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए कर सकते हैं।

अपने बच्चे को 8, 12 और 16 सप्ताह में टीका लगवाना सुनिश्चित करने का मतलब है कि यह सुरक्षा उनके सबसे कमजोर वर्षों के दौरान जारी रहेगी।

अधिक जानकारी के लिए लिंक

www.nhs.uk/Conditions/vaccinations/Pages/vaccination-schedule-age-checklist.aspx

www.gov.uk/government/collections/immunisation

www.gov.uk/government/collections/immunisation-against-infectious-disease-the-green-book

www.medicines.org.uk/emc/

गर्भावस्था टीकाकरण रिकॉर्ड

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप और आपका बच्चा फ्लू, काली खांसी और रूबेला (जर्मन खसरा) से सुरक्षा से वंचित नहीं हैं, अपनी गर्भावस्था के टीके नीचे दर्ज करें।

टीका	कब लेना है	टीका लेने की तिथि
फ़्लू	गर्भावस्था के दौरान किसी भी समय फ़्लू के मौसम में।	
काली खांसी	गर्भावस्था के 16वें सप्ताह से, आपके स्कैन के बाद।	
MMR डोज़ 1*	आपके बच्चे के जन्म के बाद, आपकी 6 सप्ताह की प्रसवोत्तर जांच (चिकित्सक (GP) या प्रैक्टिस नर्स के साथ) में।	
MMR डोज़ 2*	पहली खुराक के चार सप्ताह बाद (जैसा ऊपर दिया गया है)।	

*यदि कोई पूर्व टीकाकरण नहीं करवाया गया है

© Crown copyright 2022
2903655HI Hindi 1p 850K NOV 2021
UK Health Security Agency gateway number: 2022091

First published March 2016

इस दस्तावेज़ में लिखित टेक्स्ट औपचारिक अनुमति के बिना या व्यक्तिगत या आंतरिक उपयोग के लिए पुन: प्रतिलिपि तैयार किया जा सकता है।

इस पत्रक की अधिक प्रतियां ऑर्डर करने के लिए यहां जाएं: www.healthpublications.gov.uk या फ़ोन करें: 0300 123 1002, Minicom: 0300 123 1003 (सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक, सोमवार से शुक्रवार)

www.nhs.uk/conditions/vaccinations/nhs-vaccinations-and-when-to-have-them